सही बातें
लक्ष्य

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह
जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें

लक्ष्य

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
लक्ष्य

गरीब
और
अमीर में
ज़्यादा अंतर नहीं है,
एक दिन की भूख-प्यास
दोनों को
बराबर बना देती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अगर आपका
धर्म पर विश्वास है,
तो विश्वास मानिये
आपका कोई
बाल भी बाँका नहीं कर सकता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

हर एक परिस्थिति को
डरकर नहीं
डटकर सहन करें,
डरने से परिस्थितियाँ
आप पर हावी होंगी
और
डटने से
आप परिस्थितियों पर हावी होंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

ऐसे शब्दों का
प्रयोग कीजिये
जो अमृत का काम करें,
न कि ऐसे
जो विष का काम करें,
शब्द
आपके हो सकते हैं,
पर
घाव दूसरों को हो जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

लक्ष्य

अगर कोई
आपका काम बिगाड़ दे
तो उस पर मत चिल्लाइये
उसे समझाइये,
ताकि आगे के सारे काम
सही हो सकें,
चिल्लाने से
काम तो नहीं बनेगा,
मगर
वह व्यक्ति आपसे
जरूर टूट जायेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जो मिला है
उसी में खुश रहिये,
क्योंकि
भाग्य से ज़्यादा
और
समय से पहले
न किसी को
कुछ मिलता है न ही मिलेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

आपकी पहचान
आपके किये गये
कामों से होती है,
हो सके तो
इस जीवन में
कुछ ऐसा काम कर जाइये,
जिससे न तो
आपकी पहचान मिटे
न ही आपके
किये गये काम...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

आपकी ज़िन्दगी का
सबसे सुन्दर
और
ताकतवर सहारा
आपकी हुनर है
आपकी उम्मीदें नहीं,
क्योंकि
उम्मीदें तो
हर किसी को होती हैं,
पर
हुनर
हर किसी में नहीं होता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

इस छोटे से जीवन में
अच्छे–बुरे
दोनों दिन आते हैं,
लेकिन
जो अच्छे दिन आने पर
घमण्ड नहीं करते
और
बुरे दिन आने पर
सब नहीं खोते;
वे ही
समझदार कहलाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

कुछ लोग
एक काम
पूरा करने के पहले
दूसरा काम ले लेते हैं,
ऐसे लोग
कोई भी काम
पूरे नहीं कर पाते हैं
और
सारे काम
अधूरे छोड़कर चले जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

चाहे आपका मित्र हो
या फिर शत्रु
सभी आपको
कुछ–न–कुछ जरूर देते हैं,
आपके मित्र
आपका साथ देते हैं
आपके शत्रु
आपको सीख देते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जितना समय आप
अपने पड़ोसी को देते हैं,
अगर
उतना समय आप
अपनों को देने लगें,
तो आपके घर में
पड़ोसी कभी नहीं होंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जो लोग
समय बर्बाद करते हैं,
एक दिन समय उनको
बर्बाद कर देता है,
इसीलिये
आबाद जीवन के लिये
समय बर्बाद न करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

भले ही आप
ज़िन्दगी से थक जायें,
पर
दिल कभी नहीं थकता,
लेकिन
जिस दिन दिल थक जाता है
उस दिन
ज़िन्दगी हार मान लेती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

यदि आप
अच्छा बोलना नहीं जानते हैं,
तो चुप रहना ही बेहतर है
और
यदि आप
चुप रहना नहीं जानते हैं
तो अच्छा बोलना ही बेहतर है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

हमें दुःख तब नहीं होता
जब हम हारते हैं,
दुःख तो तब होता है
जब हारने पर
हमारे अपने
हमें छोड़कर चले जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जब भी
कोई आपको गाली दे
और
बदले में
आप उसे क्षमा करें,
तब समझ लेना
आप साधु बनने के योग्य हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अपनी समस्याओं को
हद से ज़्यादा मत टालिये,
क्योंकि समस्यायें घाव की तरह हैं,
ज्यादा टालने पर
वे नासूर होकर
संकट का रूप ले लेती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

हर सफलता में
आपके पुरुषार्थ का प्रतिशत
भाग्य के बराबर होना चाहिये,
क्योंकि
भाग्य
पुराना जमा किया पुरुषार्थ है
उसे कम-कम ही
खर्च करना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

हर चीज़ को
पैसों से मत तौलिये,
क्योंकि
प्रतिभा, अनुभवन और मित्र
कभी खरीदे नहीं जाते,
अगर आपको
पैसों का दंभ हो
तो मेरी इस बात पर
जरूर गौर फरमाइये ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

खुद को बदलने के लिये
किसी और को नहीं
अपने मन को बदलिये,
क्योंकि
आपको चलाने वाला
आपका मन ही है,
वह जहाँ चाहेगा
आप वहीं जाते जायेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

आप जिनको भी
आदर्श मानते हैं,
उनकी छवि
आपके व्यक्तित्व में
अवश्य झलकना चाहिये,
अगर न झलके
तो समझ लेना
आपने आदर्श
सिर्फ शब्दों में बनाया है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

आप बाहर से
कितने सुन्दर हैं
यह बात मायने नहीं रखती,
मायने
यह बात रखती है कि
आप अन्दर से
कितने सुन्दर हैं;
क्योंकि
सच्ची सुन्दरता
अन्दर की सुन्दरता में ही है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

दूसरों से
बातें करने के साथ-साथ
कुछ बातें
खुद से भी करें,
दूसरों से की गई बातें
उनके जीवन में
कितना गहरा असर डालेंगी
ये तो मैं नहीं कह सकता,
पर
खुद से की गई बातें
आपके जीवन में
बहुत गहरा असर जरूर डालेंगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

दिन में एक बार
अपने लक्ष्य के बारे में
जरूर सोचें,
जैसे-जैसे आप
अपने लक्ष्य का चिंतन करेंगे
वैसे-वैसे आप
अपने लक्ष्य के करीब पहुँचते जायेंगे,
यह बात
अनुभव और विज्ञान
दोनों से सिद्ध है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जो लोग
उल्टे विचारवाले होते हैं
उनके साथ कभी
सीधा काम नहीं होता,
क्योंकि
आपके विचार ही
आपके मन को
आपके जीवन को
दिशा दिखाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अपने दिल को
समुन्दर से भी
बड़ा बनाकर रखें,
क्योंकि
जिनका दिल
बड़ा होता है
उन्हीं का जीवन
और
विचार बड़े होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

ललक है
तो कितनी भी उम्र हो
आप कुछ भी सीख सकते हैं
और
ललक नहीं
तो कितनी भी उम्र हो
आप कुछ भी नहीं सीख सकते हैं,
इसलिये
सीखने के लिये
उम्र नहीं
ललक चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

उम्र के हर पड़ाव में
प्रकृति हमारे साथ
कुछ न कुछ परिवर्तन
जरूर करती है,
इन परिवर्तनों के साथ
आपने भी अगर
कुछ अच्छे परिवर्तन कर लिये,
तो आपकी सारी उम्र
आनन्द और सुख के साथ
निकल सकती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

किसी भी
अच्छे काम की शुरुआत के लिये
उम्र नहीं
जाग्रति की जरूरत है
अगर आप
जाग्रति के साथ
काम की शुरुआत करते हैं,
तो आप
हर उम्र में सफल हो सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

दुनिया की
सबसे बेशकीमती सम्पत्ति
ज्ञान है,
अगर
ज्ञान आपके पास है
तो आप
जंगल में भी मालामाल हैं
और
ज्ञान नहीं है
तो महलों में रहकर भी
आप कंगाल हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

किसी भी कार्य में
सफलता के लिये
असफलता का भय
निकाल देना चाहिये,
क्योंकि
जब तक भय रहेगा
सफलता दूर ही बैठी रहेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

बहस करने वाले
ज़्यादा नुकसान नहीं पहुँचाते,
क्योंकि
वे बोलकर
शान्त हो जाते हैं,
मगर
छल करने वाले
ज़्यादा नुकसान पहुँचाते हैं,
क्योंकि
वे हर समय आपके लिये
षड्यंत्र रचते रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

कुछ लोगों को
किताबें पढ़ना अच्छा लगता है
और
कुछ लोगों को
इंसान पढ़ना,
लेकिन
किताबें पढ़ने वाले
धोखा खा जाते हैं;
पर
इंसान पढ़ने वाले
कभी धोखा नहीं खा पाते...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

किसी बच्चे ने पूछा–
भगवान और इंसान में
क्या अंतर है ?
मैंने कहा–
इंसान नीयत नहीं
आपका दिखावा देखता है,
और
भगवान दिखावा नहीं
आपकी नीयत देखता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जब चीज़ें
हमारे हाथ से खो जाती हैं
अथवा
जब वे
हमारे पास नहीं होती हैं,
तभी हम
चीज़ों की कीमत
उनकी और महत्त्वपूर्णता समझ पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जिस दिन आपको
दर्द भी
अच्छा लगने लगे
और
बुरे शब्द भी
बूरे से लगने लगें,
समझ लेना
आप ज़िन्दगी जीना
सीख गये हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

सही समय में सही सीख
उतनी ही जरूरी है
जितना जरूरी
सही समय पर श्वास लेना है,
अगर
ऐसा नहीं किया
तो शायद पछताने के लिये
ज़िन्दगी भी नहीं मिलेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जैसा
आप लोगों से चाहते हैं
वैसा
स्वयं भी करें,
अगर
आप दूसरों से
अच्छा व्यवहार चाहते हैं,
तो स्वयं भी
अच्छा व्यवहार करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अंधेरा हमें
रोशनी की कीमत सिखाता है
और
दूरी हमें
संबंधों की कीमत सिखाती है,
सच है-
आप
न होने पर ही
होने वाली चीज़ों की
कीमत पहचान पाते हैं;
जैसे दाँत...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

दूसरों को
अपनी भावना
समझाने के साथ-साथ
दूसरों की भावना भी समझिये,
अगर आप
दूसरों की भावना
नहीं समझते हैं;
तो आपकी वृत्ति
स्वार्थी वृत्ति है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अगर आप
अच्छा बोलते हैं
अच्छा लिखते हैं
तो अपने व्यक्तित्व को भी
अच्छा बनाइये,
अच्छा बोलने
या
अच्छा लिखने पर भी
अगर
आपका व्यक्तित्व अच्छा नहीं
तो ज़िन्दगी ही बेकार है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

सुख मिलना
आपके हाथ में नहीं है,
पर
सुख देना
आपके हाथ में है,
अगर
सुख देने की कला
आपके पास नहीं है,
तो सुख पाना भी
आपके हिस्से में नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

बिना धन के
दुनिया किसी की भी
कद्र नहीं करती,
अगर आप
सामान्य व्यक्ति हैं
तो धन कमाइये
और
साधु हैं
तो ज्ञान धन कमाइये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

आनंद
बदला लेने में भी आता है
और
माफ करने में भी,
फर्क सिर्फ इतना है–
बदले का आनंद
कुछ दिन आता है
और
माफ करने का आनंद
ज़िन्दगी भर आता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अपने हर कदम को
सही दिशा में ही
बढ़ाना चाहिये,
क्योंकि
गलत दिशा में
बढ़ाया गया एक कदम
ज़िन्दगी की दशा
बिगाड़ देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

हर रिश्तों में
आनन्द बरसता है,
बस शर्त इतनी है
उनमें सिर्फ
वफादारी होना चाहिये
कोई शर्त नहीं ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जीवन की सफलता
अच्छे कर्मों से ही मिलती है,
ये बात
आप तब मानेंगे
जब आप
किसी बुरे कर्म के कारण
असफल हो जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जिसे भी
भगवान बनने की चाह हो
उसे पहले
अच्छा इंसान बनना पड़ेगा,
क्योंकि
मिट्टी को
नरम किये बिना
सुन्दर और मज़बूत घड़ा
कभी नहीं बनता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

किसी का भी
विश्वास और दिल
कभी मत तोड़ना,
भले ही
इनके टूटने की
आवाज़ न आती हो,
पर
दर्द इतना होता है कि
आह...की आवाज़
निकल जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

मुश्किल वक्त में
किसी का साथ
कभी मत छोड़ना,
क्योंकि
जब भी
आप मुश्किलों में होंगे
तब वही साथ देगा
जिसका आपने
साथ छोड़ा था...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

बड़ी बातों की अपेक्षा
आप छोटी–छोटी बातों से
ज़्यादा सीख सकते हैं,
क्योंकि
आपकी ज़िन्दगी में
बड़ी बातें बहुत कम
और
छोटी–छोटी बातें
बहुत ज़्यादा होती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

खुद को कभी
छोटा मत मानना,
अगर
आप ही खुद को
छोटा मान लेंगे,
तो दुनिया के सामने
बड़ा बन पाना
आपके बस की बात नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अगर आप दयावान हैं
तो आप
दो तरफा दया करते हैं,
दूसरों पर दया से
दूसरों पर
और
उनकी दुआ पाकर
खुद पर दया करते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

शत्रु–मित्र
बनाये नहीं जाते
वो तो
आपके व्यवहार के अनुरूप
बनते जाते हैं,
अच्छा व्यवहार होगा
तो मित्र बनेंगे
और
व्यवहार खराब होगा
तो शत्रु बनेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जिन्हें दोस्ती से
कोई मतलब न रहता हो
सिर्फ अपने मतलब से
मतलब रहता हो,
वे ही लोग
नये मित्र मिल जाने पर
पुराने मित्रों को भूल जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

सफल होने के लिये
शक्ति बढ़ाने की अपेक्षा
इच्छा-शक्ति बढ़ाइये,
क्योंकि
शक्ति बढ़ाना
बहुत लोग जानते हैं,
पर
इच्छा-शक्ति बढ़ाना
सफल लोग ही जानते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

बड़ी बातें करने मात्र से
आप बड़े नहीं बन सकते हैं,
बड़ा बनना है
तो बड़ी बातों के साथ
बड़े काम भी करें,
कहीं ऐसा न हो जाये
आप सिर्फ बोलते ही रह जायें
और
जीत का सहरा
कोई और पहन जाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

पहले
मकान कच्चे
और
लोग सच्चे होते थे,
मगर
आज का समय
कुछ बदल गया है,
आजकल मकान पक्के
और
लोग कच्चे होते जा रहे हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

आदत के काम की जगह
विवेक के काम करना
प्रारम्भ करें,
आदत के काम
गलत भी हो सकते हैं
मगर
विवेक के काम
कभी गलत नहीं होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जिसके अंदर
उत्साह शक्ति है
उसके लिये दुनिया की
कोई भी चीज़ दुर्लभ नहीं है,
इसलिये
किसी भी चीज़ को पाने के लिये
मेहनत
और
पुण्य के साथ-साथ
उत्साह भी जरूरी है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

समय और जीवन
एक-दूसरे के पूरक हैं,
समय हमें
जीवन जीना सिखाता है
और
जीवन हमें
समय का
सही उपयोग सिखाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

धन होने पर भी
जो लोग
धन का दान नहीं करते ,
वो लोग मुझे
नदी के बीच में लगे
वृक्ष के समान लगते हैं,
जिसके फल
लटके-लटके सड़ जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

कई बार लोग
सही काम करके भी
सफल नहीं होते हैं,
मैंने जब
उसका कारण ढूँढा
तो समझ में आया
काम तो सही था,
पर
समय सही नहीं था;
इसलिये
सफल नहीं
असफल होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अच्छे काम की उम्मीदें
हर किसी से नहीं करें,
अच्छे काम
अच्छे लोग ही कर पाते हैं।
सही बात है–
बबूल के पेड़ से
आम की उम्मीदें करना
बेकार है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

छोटी–छोटी जगहों में ही
बड़ी–बड़ी विभूतियाँ
जन्म लेती हैं,
हीरे और कमल को ही देखिये–
हीरा
कोयले की खदान में मिलता है
और
कमल
कीचड़ में ही खिलता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अगर
बदले की गठान
आपके अंदर है,
तो अच्छी बातें
आपके अंदर
प्रवेश नहीं कर सकती हैं,
क्योंकि
मोती
उसी धागे में जाता है
जिसमें गठान नहीं होती...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

पाप को ढ़कने के लिये
झूठ बोलकर
दूसरा पाप करना
समझदारी नहीं
नासमझी ही है,
मिर्ची लगने पर
मीठे की जगह
मिर्ची खाना
कहाँ की समझदारी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जब भी बातें करें
समझदारों से करें,
वो भी
समझदारी की ही करें,
ध्यान रखें–
समझदारी की बातें
और
समझदार व्यक्ति का समय
दोनों बहुत कीमती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अगर आप लोभी हैं
तो आप कभी
संतुष्ट नहीं हो सकते हैं
न ही कभी
सुखी हो सकते हैं,
लोभ
शेर की तरह है
जिसे देखकर
संतुष्टी के हिरण
और
सुख की गाय
भाग जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

एक बच्चे के अंदर
अच्छे संस्कारों का निवेश
करोड़ों रुपयों के निवेश से
बढ़कर है,
करोड़ों रुपये
खर्च करके आप
अच्छे संस्कार नहीं कमा सकते हैं,
पर
अच्छे संस्कारों से आप
करोड़ो रुपये
जरूर कमा सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

ज़िन्दगी का
एक-एक समय
आनंद लेकर
खुश होकर जियो,
नदी में बहा पानी
और
बीता हुआ समय
कभी लौटकर नहीं आता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

धन बर्बाद हो जाये
तो कभी मत सोचना,
मगर
समय बर्बाद हो जाये
तो जरूर सोचना,
क्योंकि
धन
वापस लाया जा सकता है,
पर
समय
वापस नहीं लाया जा सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

जिनके भी अंदर
आत्म-विश्वास नहीं है,
वो लोग
अपनी कल्पनाओं को
साकार नहीं कर पाते हैं,
क्योंकि
सीढ़ियों के बिना
मंज़िल
न किसी ने पाई है
न ही कोई पायेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

कई बार
न चाहने पर भी
अपनी खुशियों का
बलिदान देना चाहिये,
ऐसा अपने आपको
दुःखी करने के लिये नहीं,
बल्कि अपनों की
खुशियों के लिये करना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

रिश्तों की दीवारों में
जब उम्मीदों के हथौड़े पड़ते हैं,
तब दरारें
उन्हीं रिश्तों में आती हैं
जो कच्चे होते हैं,
जिन रिश्तों की दीवारें
मज़बूत होती हैं,
उनमें उम्मीदों के हथौड़े
कुछ नहीं कर पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

ऊँचाइयाँ छू लेना
कोई समस्या नहीं है,
मगर
ऊँचाइयाँ छूकर
अहंकारी बन जाना
बहुत बड़ी समस्या है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

ईर्ष्या की चुडैल
जिसे लग जाती है,
उसका जीवन
अशांतिय हो जाता है,
ऐसे लोग
स्वयं संपन्न होने पर भी
दूसरों की संपन्नता के कारण
स्वयं की संपन्नता का
आनंद महीं लूट पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

थोड़े–थोड़े दिनों में
छोटी–छोटी विपत्तियों का आना
अच्छा भी है,
और जरूरी भी है,
ऐसे दिन
आपके साहस को बढ़ायेंगे
साथ ही साथ
शत्रु मित्र की
पहचान भी करायेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

संपत्ति के बढ़ते ही
नये मित्र
और
नये संबंधी भी बढ़ जाते हैं,
पर
विपत्ति के आते ही
इनकी परीक्षा हो जाती है,
इसलिये
संपत्ति के साथ-साथ
थोड़ी बहुत
विपत्ति भी जरूरी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अच्छे और बुरे
दोनों वक्त के अनुभव
हमारे जीवन के लिये शिक्षास्पद हैं,
बुरे वक्त में
अच्छे वक्त के अनुभव
और
अच्छे वक्त में
बुरे वक्त के अनुभव
बहुत काम आते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

सलाह देने वाले
आपकी सामर्थ्य
आपका साहस नहीं जानते हैं,
इसलिये
सलाह भी वही मानना
जो आपके साहस
और
सामर्थ्य के अनुकूल हो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

दूसरों की आलोचना करोगे
तो आपकी आलोचना बढ़ेगी
और
आत्मालोचना करोगे
तो आप पर
दूसरों की श्रद्धा बढ़ेगी,
इस बात को
सूत्र रुप में लें,
जैसी आप आलोचना करोगे
वैसा ही फायदा और
नुकसान मिलेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

ज़िंदगी में
कुछ हासिल करना हो
तो समय की कीमत करें,
जिसने समय को खो दिया
उसने ज़िंदगी खो दी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

गलतियाँ
बहस से नहीं
स्वीकारने से सुधरती हैं,
बहस करना तो
स्वयं में एक गलती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अगर आपको
ज़्यादा बोलने की आदत है
तो आपके जीवन में मुसीबतें
दिन-दोगुनी
रात चौगुनी आयेंगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

सिद्धांतवादी तो बनें
परंतु
लकीर के फकीर न बनें,
वरना
लोग आपको
अतिवादी कहना प्रारंभ कर देंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

बुरे समय की
सबसे खास बात यह है कि
वो हमें
अच्छे–बुरे लोगों की
पहचान करा देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अगर आप
अपने अस्तित्व को
बनाये रखने के लिये
दूसरों के अस्तित्व को
मिटाते हैं,
तो आपका अस्तित्व भी
खतरे में है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

अधिक प्रशंसा होने पर
उसमें खो मत जाइये,
अपितु सोचिये
कहीं वह प्रशंसा
आपकी पहचान तो
नहीं छीन रही है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
लक्ष्य

पहचान बनाना सरल है,
बनी हुई पहचान को
बनाये रखना
बड़ा कठिन है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर